अप्रैल–मई 2023

पहल

बच्चों का कोना

मेरा आदर्श विद्यालय

मेरा नाम सतीश कुमार है। मैं प्राथमिक विद्यालय चमुआ में कक्षा 4 में पढ़ता हूं। मेरा विद्यालय मेरे लिए एक आदर्श विद्यालय है क्योंकि सभी अध्यापक पढ़ाते समय बहुत प्यार से बात करते हैं। हमको खेल–खेल के जरिये भी पढ़ाया जाता है।

पहले डर के कारण मैं पीछे बैठता था या काम पूरा न होने के कारण स्कूल नहीं जाता था मगर अब कोई डर नहीं लगता है। आज मैं अपनी मन की बात अपने अध्यापकों के साथ आसानी से कर पाता हूं।

मेरे अध्यापकों के कारण ही आज मेरे घर में पढ़ने के लिए मुझे घरवालों ने पढ़ने का कोना दिया है। जहां कभी–कभी मेरी मम्मी या पापा भी आते हैं। मेरे साथ बैठते हैं। स्कूल की बात करते हैं। पढ़ाई की बात करते हैं।

आज मेरे विद्यालय में शौचालय है। बैठने–पढ़ने के लिए कमरा है। पीने के लिए पानी है। हमको रोज स्कूल में अच्छा–अच्छा खाना खिलाया जाता है। हमसे चित्रकारी करवाई जाती है। हमारे स्कूल में बाल संसद भी है। बाल संसद भी स्कूल में कई तरह के काम करवाती है।

सतीश कुमार
कक्षा–4, प्राथमिक विद्यालय, चमुआ, नरकटियागंज, बिहार

नई पहल

छत्तीसगढ़ में एनईजी–फायर की नई पहल

छत्तीसगढ़ में एनईजी–फायर ने जुलाई 2022 से नई पहल शुरू की है। इस तरह, एनईजी–फायर दिल्ली के अलावा पांच अन्य राज्यों में कार्य करने वाली संस्था बन गई है। आप लोगों की जानकारी के लिए बता दें कि छत्तीसगढ़ में एनईजी–फायर, कावर्धा और राजनांदगांव जिले में काम रही है। इन दोनों जिलों में विशेष आदिवासी जनजाति के लोग रहते हैं जिसमें कुल 30 गांव और करीब 3108 परिवारों के साथ एनईजी–फायर हस्तक्षेप कर रही है।

एनईजी–फायर कवर्धा जिले में बोडला ब्लॉक के दो संकुल एवं 16 शासकीय शालाओं में 332 बच्चों के साथ मातृभाषा बहुभाषिय आधारित शिक्षा प्रदान करने हेतु कार्य कर रहा है। इसके साथ ही राजनांदगांव जिले के छुहिखादान ब्लॉक के दो संकुल में 14 शासकीय शालाओं में 386 बच्चों के लिए कार्य कर रहा है।

कुल 30 गांव और करीब **3108 परिवारों** के साथ हस्तक्षेप	राजनांदगांव जिले के छुहिखदान ब्लॉक के दो संकुल में **14 शासकीय शालाओं में 386 बच्चों** के साथ काम
कवर्धा के बोडला ब्लॉक में **दो संकुल एवं 16 शासकीय शालाओं** में **332 बच्चों** के साथ काम	**20 ट्रेजर हाउस** का संचालन, जिसमें **610 बच्चों की सहभागिता**

इसके साथ ही, एनईजी–फायर शासकीय शालाओं में या फिर समुदाय में ट्रेजर हाउस की स्थापना कर रहा है। वर्तमान समय में छत्तीसगढ़ के दो जिलों के दोनों ब्लॉक में एनईजी–फायर 20 ट्रेजर हाउस संचालित कर रहा है, यहां पर कुल 610 बच्चे आकर संस्कृति ज्ञान, अपनी सामुदायिक ज्ञान के बारे में जानना एवं उस पर चिंतन करने जैसे नवाचार करते हैं।

एनईजी–फायर को ग्राम पंचायत से हस्तक्षेप के लिए चयनित किये ग्रामों के लिए पंचायत की अनुमति पत्र भी प्राप्त हो चुके हैं।

पेशा एक्ट पर समुदाय को प्रशिक्षण

पेशा एक्ट पर समुदाय को प्रशिक्षण

माता समिति के साथ बैठक ट्रेजर हाउस में गतिविधियां

प्रशिक्षण आंगनवाड़ी सेंटर में बच्चों के साथ गतिविधियां

संदेश

सुरेश राव
कार्यकारी निदेशक

सभी टीम साथियों को मेरी शुभकामनाएं। आप सभी साथियों की भागीदारी से हम पहले न्यूजलेटर की शुरूआत कर रहे हैं। इससे हम यह अपेक्षा करते हैं कि हमें संस्थान की जानकारियों और गतिविधियों का आभास हो सके। जिससे हम अपने परिवारजन को बता सकें कि हमारी संस्था क्या काम करती है। अपने मित्रों को अपनी संस्था के क्रियाकलापों को दिखा सकें।

मैं चाहता हूं कि आप सभी सदस्य भी इसमें प्रतिभागी बनें। जो साथी अपनी कविता–गाना या अपने अनुभवों को हमारे साथ शेयर करना चाहता है उनका स्वागत है। यह न्यूजलेटर आपके लिए समर्पित है। इस न्यूजलेटर को देखने–पढ़ने के बाद अपना फीडबैक हमें जरूर दें।

फोकस

बिहार, समावेशी शिक्षा और एनईजी–फायर

एनईजी–फायर, बिहार में समावेशी शिक्षा में लगातार काम कर रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने समावेशी शिक्षा का अर्थ और व्यापक किया है। नई शिक्षा नीति, प्रत्येक बच्चे को पढ़ने–सीखने में आने वाली किसी भी बाधा को पार कर प्रत्येक बच्चे को उसकी सीखने की आवश्यकता के अनुसार उसके सहयोग की संस्तुति करती है।

एनईजी–फायर, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आने के पहले से ही समावेशी शिक्षा के अंतर्गत वंचित समुदाय के बच्चों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हेतु प्रयास करती रही है। 2018 से संस्था ने सरकारी स्कूलों का चयन कर विधि पूर्ण तरीके से कक्षा 1 से 3 तक में गणित विषय को लेकर हस्तक्षेप शुरू किया। इस दिशा में सबसे पहले फील्ड स्तरीय टीमों का दक्षता विकास किया गया। इसके लिए शिक्षकों के सुझाव और फील्ड टेस्टिंग के उपरांत दक्षता विकास हेतु गणित आधारित समावेशी शिक्षण पद्यतियों पर मैनुअल तैयार किया गया और टीमों का प्रशिक्षण किया गया।

गणित का भय दूर करने के गुर सीखा रहे शिक्षक

आमस में गणित आधारित तीन दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ, बच्चों को दिए गए कई टिप्स

सिटी रिपोर्टर | आमस

आमस प्रखंड के सोनकला स्थित बीआरसी सभागार में गणित आधारित तीन दिवसीय प्रशिक्षण का सोमवार को शुभारंभ हुआ। एनईजी-फायर संस्था के बैनर तले आयोजित इस प्रशिक्षण में तीन संकुल के 39 शिक्षकों को ट्रेनिंग दिया जा रहा है। ट्रेनिंग में शिक्षकों को बच्चों के अंदर से गणित का भय कैसे दूर करें, गणित के माध्यम से बच्चों को समावेशी माहौल में सीखने का अवसर मिले, इसका शिक्षकों को गुर बताया जा रहा है। ट्रेनर शैलेंद्र अवस्थी ने बताया कि ज्यादातर लोगों में गणित को लेकर डर बना रहता है। जिस कारण यह विषय उसे कठिन लगने लगता है। अगर शुरुआत से इसे प्रकृति को ध्यान में रखते हुए बच्चों के साथ शिक्षण किया जाए तो रोचक हो सकता है। वहीं प्रखंड प्रशिक्षक लालचंद्र यादव ने कहा कि गणित हमारे जीवन का अहम हिस्सा है। बच्चों के साथ रोजमर्रा की आदतों में इसे शुमार किया जाए तो और भी आसान हो सकता है। इस दौरान बीईओ अरविंद कुमार सिंह, बीआरपी उमेश कुमार सिंह, मसूद आलम, मनोज चौधरी, सुगमकर्ता शशी कुमार, संजीव कुमार, आरती कुमारी, रिंकी कुमारी, शिक्षक प्रमोद यादव, चीनत तबस्सुम, दानिश अंसारी, शारिक जुबैर आदि उपस्थित थे।

गणित के माध्यम से समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने की पहल

एनईजी–फायर ने एक दशक से अधिक समय से बिहार में मुसहर और महादलित समुदायों के बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए व्यवस्थित पहल की है!

समावेशी शिक्षा का अर्थ है कि ... स्कूलों को सभी बच्चों को उनकी शारीरिक, बौद्धिक, सामाजिक, भावनात्मक, भाषाई या अन्य स्थितियों में विभेद किए बिना समायोजित करना चाहिए। इसमें दिव्यांग और प्रतिभाशाली बच्चों, सड़क पर घूमने वाले और कामकाजी बच्चों, दूरस्थ या घुमंतू आबादी के बच्चों, भाषाई, जातीय या सांस्कृतिक अल्पसंख्यकों के बच्चों और अन्य वंचित या सीमांत क्षेत्रों या समूहों के बच्चों को शामिल करना चाहिए। (सलामांका स्टेटमेंट एंड फ्रेमवर्क फॉर एक्शन ऑन स्पेशल नीड्स एजुकेशन, 1994, पैरा 3)।

प्रभाव

प्रशिक्षण के बाद, अधिकांश शिक्षकों को इस बात की समझ और अहसास होता है कि प्रत्येक बच्चा अपनी गति से सीखता है। सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, विषय की भागीदारी, समझ, विभिन्न स्तरों में एक बड़ी भूमिका निभाते हैं और इस तरह सीखने के विभिन्न स्तरों को दर्शाते हैं।

समावेशी शिक्षा की मुख्य अवधारणा

- सभी की भागीदारी मुसहर/ दलित समुदाय के बच्चों की विशेष रूप से भागीदारी
- मुसहर/दलित बच्चों का स्व–प्रतिनिधत्व
- सक्षम वातावरण– गैर–न्यायिक, गैर–भेदभावपूर्ण, सुरक्षित
- अधिकारों का सम्मान
- आपसी सम्मान– बच्चे–बच्चे, टीचर–बच्चे
- सहकर्मी समूह की भावना को बढ़ावा देना
- प्रतिस्पर्धा के बजाय सहयोग को बढ़ावा देना
- भागीदारी नेतृत्व की ओर ले जाना

ग्राउंड रिपोर्ट

बिहारः बाल संसद और एनईजी–फायर

बिहार में बाल संसद का पुनः गठन अप्रैल 2022 में कोविड–19 के बाद फिर शुरू हुआ। एनईजी–फायर अपने कार्य क्षेत्र के सभी स्कूलों में बाल संसद के सदस्यों का क्षमता वर्धन करता है। एनईजी–फायर की टीम बाल संसद के बच्चों के साथ उनको छोटे बच्चों को ग्रुप में बैठाकर खेल से मेल और शैक्षणिक गतिविधियों में सहयोग करती है। छोटी–छोटी कहानियों, कविता के माध्यम से बच्चों को गृह आधारित शैक्षणिक गतिविधियों में सहयोग करते हैं। इसके साथ ही हमारे साथियों द्वारा कार्य पुस्तिका और कॉपी का वितरण भी किया जाता है जिससे बच्चों के सीखने के स्तर को पुनः स्थापित किया जा सके।

सरकार के निर्देशानुसार बाल संसद में कुल 14 सदस्य होते हैं। जिसमें प्रधानमंत्री, उप–प्रधानमंत्री, शिक्षा मंत्री, उप–शिक्षा मंत्री, स्वास्थ्य और स्वच्छता मंत्री, उप–स्वास्थ्य एवं स्वच्छता मंत्री, जल एवं कृषि मंत्री, उप–जल एवं कृषि मंत्री, विज्ञान एवं पुस्तकालय मंत्री, उप–विज्ञान एवं पुस्तकालय मंत्री, सांस्कृति एवं खेल मंत्री, उप–सांस्कृतिक एवं खेल मंत्री, बाल सुरक्षा मंत्री और उप–बाल सुरक्षा मंत्री। सभी सदस्यों की अपनी–अपनी जिम्मेदारी होती है।

बाल संसद, विद्यालय में बच्चे–बच्चियों का एक मंच है। जिसका उद्देश्य बच्चों के जीवन में कौशल का विकास, बच्चों में नेतृत्व व निर्णय लेने की क्षमता को विकसित करना, विद्यालय की गतिविधियों व प्रबंधन में भागीदारी बढ़ाना, विद्यालय में आनंददायी, सुरक्षित व साफ सुथरा वातावरण बनाना है।

सर्वश्रेष्ठ बाल संसद की केस स्टडी

बिहार में बाल संसद के सदस्यों द्वारा बदलाव की कई कहानियां देखने को मिलती है। इसी में एक बदलाव की कहानी आपको बताते हैं। मध्य विद्यालय योगापुर का विद्यालय राजकीय मध्य विद्यालय योगापुर संकुल के अंतर्गत आता है। इस विद्यालय में 8 गांव के करीब 430 से अधिक बच्चों का नामांकन है।

यहां 18 अप्रैल 2022 को बाल संसद का पुनःगठन किया गया। बाल संसद के सभी उम्मीदवार बच्चों ने शिक्षक के पास अपना नामांकन करवाया। उम्मीदवारों ने बैलेट पेपर तैयार किया। कक्षा 1 से 8 के बच्चों ने लाइन में खड़े होकर अपने–अपने मनपसंद उम्मीदवार को मतदान किया। मतदान प्रकिया द्वारा सभी 14 मंत्री का चयन किया गया।

एनईजी–फायर का योगदानः बाल संसद के बच्चों को उनके पद के अनुसार कार्य और भूमिका का क्षमता वर्धन, विद्यालय में समावेशी माहौल को कैसे बढ़ावा देंगे उसमें अपनी भूमिका अदा की। विद्यालय से संबंधित सभी विषयों पर बाल संसद की बैठक होती है।

बाल संसद पर विद्यालय में बदलावः बाल संसद के सदस्य गांव से 4–5 बच्चों को साथ लेकर विद्यालय आते। विद्यालय सड़क के किनारे था इसलिए बाल संसद के सदस्य बच्चों को सड़क पार करवाते, जिससे बच्चों की उपस्थिति बढ़ने लगी। प्रार्थना सत्र में बाल संसद के सदस्य कहानी, कविता, साक्षरता गीत, साफ–सफाई, नाखुन जांच आदि कियाकलाप करते। जो बच्चे दो–तीन दिन स्कूल नहीं आते संसद के सदस्य उन बच्चों और उनके अभिभावकों से मिलते हैं। प्रत्येक महीने एसएमसी और बाल संसद के बच्चों की बैठक होती है और विद्यालय को बेहतर बनाने के लिए कार्ययोजना तैयार की जाती है।

बाल संसद का समुदाय में प्रभावः गांव में बच्चों को गृह आधारित शिक्षण कार्य करने में बाल संसद के द्वारा सहयोग किया गया। जिससे अभिभावक स्वयं अपने बच्चों को गृह आधारित शिक्षण देने लगे तथा बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय भेजने लगे।

बाल संसद का स्कूल में प्रभावः बाल संसद के बच्चों द्वारा गांव के अन्य बच्चों को विद्यालय लेकर आना। जिससे विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति बढ़ी। विद्यालय में नियमित खेल से मेल, साफ–सफाई तथा पेड़–पौधे लगाए गए। चेतना सत्र में बच्चों से सामान्य ज्ञान के सवाल पूछे जानें लगे।

बिहारः एनईजी–फायर और बाल संसद

ब्लॉक	बाल संसद	लड़कियों की संख्या	लड़कों की संख्या
शेरघाटी	39	274	272
गौनाह	18	118	98
धनरूआ	30	187	143
नरकटियागंज	22	169	139
आमस	25	262	230

मध्य विद्यालय,योगापुर मे बाल संसद के सदस्यों का कार्य एवं दायित्व को लेकर क्षमता वर्धन करते हुए।

योगापुर स्कूल की सलोनी बनी प्रधानमंत्री

बाल संसद

शेरघाटी, निज संवाददाता। शेरघाटी के योगापुर मिडिल स्कूल में सोमवार को बाल संसद का गठन किया गया है। विद्यालय के प्रधान शिक्षक दिग्विजय कुमार ने बताया कि बाल संसद की प्रधानमंत्री के रूप में आठवीं कक्षा की छात्रा सलोनी कुमारी और उप प्रधानमंत्री के बतौर विक्की कुमार का चयन बच्चों ने वोटिंग के जरिए किया, जबकि शेष मंत्रियों का चयन आपसी सहमति से किया गया। इस स्कूल में 430 बच्चे नामांकित हैं।

प्रधानमंत्री के बतौर निर्वाचित कदवा गांव की सलोनी ने कहा कि वह स्कूल में छात्रों की उपस्थिति, अनुशासन और पढ़ाई-लिखाई को बेहतर बनाने के लिए अपनी सहपाठियों और शिक्षकों के साथ मिलकर महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगी। प्रधानाध्यापक का कहना था कि निर्वाचन की समूची प्रक्रिया को कायदे से पूरा किया गया, यहां तक कि वोट देने वाले छात्र-छात्राओं की अंगुलियों में अमिट स्याही तक लगाई गई। बैलेट पेपर भी छपवाया गया था। ताकि बच्चों में लोकतांत्रिक तरीकों को समझ भी विकसित हो सके। बाल संसद के चुनाव में शिक्षक प्रवेश सिंह, बेबी कुमारी, रीता आदि भी मौजूद थे।

शेरघाटी में बाल संसद के चुनाव में शामिल छात्र-छात्राएं।

मध्य विद्यालय, योगापुर मे बाल संसद के सदस्यों के चुनाव मे शामिल छात्र-छात्राएं।

PS बड़गो में बाल – संसद का क्षमता – वर्धन करते हुए

एनईजी–फायर टीम

मिलिए हमारे सुगमकर्ता से

निधि राय

सुगमकर्ता, नरकटियागंज, बिहार

निधि राय पिछले 7 महीने से एनईजी–फायर में एक सुगमकर्ता के रूप में जुड़ी है। एक सुगमकर्ता के रूप में निधि आज 5 स्कूल और 8 आंगनवाड़ी केन्द्रों को देखने की जिम्मेदारी निभा रही हैं। इसके साथ ही टी.एल.एम डेवलपमेंट और आंगनवाड़ी की ट्रेनिंग में सह–प्रशिक्षक की भूमिका निभाती है। निधि, बीबीए हैं तथा कप्यूटर साइंस में इन्होंने डिप्लोमा किया है। हिंदी, अंग्रेजी, भोजपुरी के अलावा नेपाली भाषा में कुशल है।

निधि के प्रयासों से आज चमुआ स्थित आंगनवाड़ी केन्द्र की सड़क और कम्युनिटी शौचालय का नक्शा बदल गया है। पहले स्थानीय लोग शौच के लिए सड़क का ही इस्तेमाल करते थे। कम्युनिटी शौचालय, बड़ा ही दयनीय स्थिति में था और बंद पड़ा था। निधि ने मुखिया और वार्ड सदस्य से मिलकर स्थानीय समुदाय की भागीदारी से उसको ठीक करवाया। आज समुदाय और आंगनवाड़ी केन्द्र के बच्चे कम्युनिटी शौचालय का इस्तेमाल करते हैं।

निधि का कहना है कि एनईजी–फायर ने उनके व्यक्तित्व विकस में बहुत योगदान दिया है। काम की प्लानिंग, आइडिया शेयर करना और भविष्य के लक्ष्य निर्धारित करने की सीख उनको यहां आने के बाद मिली। निधि बताती हैं कि स्कूल के अंदर घुसते ही बच्चों के चेहरे में खुशी से उनका मन भी खुश हो जाता है। जब वह स्कूल जाती हैं, बच्चे उनसे मिलने दौड़े चले आते हैं तो उनको बहुत खुशी होती है। बच्चों के लिए कुछ नया करने की प्रेरणा मिलती है। निधि, लीक से हटकर भी कुछ करना चाहती है। उनका कहना है कि वह समुदायिक भागीदारी से पब्लिक पुस्तकालय बनाना चाहती है। जहां बच्चे आपस में प्रश्नोत्तर कर सके। पढ़ाई–लिखाई की चर्चा कर सकें। नई–नई किताबों को, पत्र–पत्रिकाओं को पढ़ने का मौका मिले।

रामप्रसाद रजक

सुगमकर्ता, नरकटियागंज, बिहार

रामप्रसाद रजक 2011 से पार्टनर संस्था के समय से जुड़े हुए हैं। वर्ष 2021 से वह पूर्णकालिक रूप से एनईजी–फायर के साथ जुड़ गये। एक सुगमकर्ता के रूप में वह आज 4 स्कूल और 8 आंगनवाड़ी केन्द्रों की जिम्मेदारी को देख रहे हैं।

रामप्रसाद के प्रयास से गया जिले के डोभी ब्लॉक के बझोरा गांव स्थित मांझी समुदाय की बेटी जो कि कुष्ठ रोग से ग्रसित थी आज वह बच्ची अपना हंसमुख जीवन जी रही है। रामप्रसाद ने सासाराम जाकर उनका इलाज करवाया।

अपने व्यक्तित्व के विकास में रामप्रसाद एनईजी–फायर का काफी योगदान मानते हैं। उनका कहना है कि समुदाय को किस तरह जागरूक किया जाए, शिक्षक प्रशिक्षण की समझ, बच्चों के साथ किस तरह समावेशी माहौल का निर्माण किया जाए, एनईजी–फायर ने ही उनको समझाया है। उनका कहना है कि आज स्कूलों में बच्चों के व्यावहार में परिवर्तन, शिक्षकों के व्यवहार में बदलते परिवर्तन को देख उनको खुशी होती है। आज स्कूलों में बच्चे पढ़ना चाहते हैं और शिक्षक उनको पढ़ाना चाहते हैं। रामप्रसाद, लीक से हटकर भी कुछ करना चाहते हैं। उनका कहना है कि बाल संसद और वंचित समुदाय के बच्चों के लिए ब्लॉक स्तर पर कार्यशाला आयोजित की जाए। जिससे उनको ब्लॉक, जिला स्तर पर एक पहचान मिल सके।

प्रज्ञा मजूमदार

प्रमुख'–कार्यक्रम प्रबंधन और विकास, एनईजी–फायर

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का मार्ग है निपुण मिशन लक्ष्य

बच्चों का स्वाभाविक रूप से जिज्ञासु मन होता है, जो उन्हें उनके आसपास की दुनिया से जवाब खोजने के लिए प्रेरित करता है। इसलिए प्रारंभिक वर्षों में प्रवाह और समझ के साथ पढ़ने से, उन्हें आजीवन शिक्षार्थी बनने में मददगार साबित होता है।

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने 5 जुलाई 2021 को संख्यात्मक ज्ञान के साथ, पठन में निपुणता के लिए 'निपुण भारत कार्यक्रम' की शुरूआत करी। मूलभूत साक्षरता और अंकज्ञान (एफएलएन) पर केंद्रित, इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बच्चे खेल, कहानियों, तुकबंदी, गतिविधियों, स्थानीय कला, शिल्प और संगीत के माध्यम से आनंदमय तरीके से सीखें और आजीवन सीखने के लिए मजबूत नींव विकसित करें।

एनईजी–फायर, निपुण के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए भारत के दूरस्थ स्थानों में वंचित समुदाय के बच्चों के शैक्षणिक विकास के लिए काम करता है। चूंकि 0 से 8 वर्ष समग्र विकास और संज्ञानात्मक विकास की सबसे महत्वपूर्ण अवधि है, इसलिए प्रत्येक शिक्षार्थी के लिए सही नींव रखना महत्वपूर्ण है।

एनईजी–फायर, एक समावेशी कक्षा वातावरण पर ध्यान केंद्रित करता है जो खेल, खोज और गतिविधि आधारित शिक्षण विधियों को शामिल करता है। यह गतिविधियां बच्चों के दैनिक जीवन की स्थितियों से जोड़ती है और बच्चों की मूल भाषाओं को सम्मिलित करती है। संख्या, मापन और आकृतियों के क्षेत्र में तर्क को बढ़ावा देता है और उन्हें संख्यात्मक और स्थानिक समझ कौशलों के रूप में समस्या हल करने में स्वतंत्र बनाने की क्षमता प्रदान करता है।

इस न्यूजलेटर के माध्यम से एक नई यात्रा के साथ, आप सभी पाठकों और अपने सहयोगियों के साथ हमें अपने विचार प्रत्यक्ष रूप से साझा करने में बहुत खुशी हो रही है।

शुभकामनाओं सहित
प्रज्ञा मजूमदार

पहल टीम की अपील

प्रिय साथियों,

"पहल" का यह पहला अंक आप सबके सामने प्रस्तुत है। पहल टीम आप सभी की आभारी है कि आपके सहयोग से हम इस अंक को प्रकाशित करने में सफल हुये हैं। उम्मीद है कि आगे भी आप सभी का मार्गदर्शन, सहयोग और सहभागिता पहल के साथ रहेगी। हम आपके विचारों का स्वागत करते हैं। हमें आशा है कि आप अपने लेख, संस्मरण, कहानी, कविताएं हमारे साथ साझा करते रहेंगे। आप हमें 9310837130 नंबर में अपने सुझाव इत्यादि भेज सकते हैं।

connectdigital@negfire.org

मेहजबीन

अरूणिका विल्सन

प्रमोद पंत

न्यू एजुकेशन ग्रुप–फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड रिसर्च इन एजुकेशन एनईजी–फायर ए–1, तीसरी मंजिल, सर्वोदय एन्क्लेव, मदर्स इंटरनेशनल स्कूल के पीछे, नई दिल्ली–110017